

भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2559
10.08.2026 को उत्तर देने के लिए

पीएलएफएस और एनएसएसओ सर्वेक्षणों की तुलनीयता संबंधी चिंताएँ

2559. डा. वी. शिवादासन:

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के अनुमानों की राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) द्वारा पूर्व में किए गए रोजगार-बेरोजगारी सर्वेक्षणों के साथ तुलनीयता को लेकर अर्थशास्त्रियों एवं शोधकर्ताओं द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं की जानकारी है;

(ख) पीएलएफएस में पद्धति संबंधी परिवर्तन किए जाने के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने विभिन्न सर्वेक्षण पद्धतियों के अंतर्गत प्राप्त रोजगार संबंधी आंकड़ों की तुलनीयता सुनिश्चित करने के लिए कोई अध्ययन कराया है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री (राव इंद्रजीत सिंह)

(क) से (घ): रोजगार-बेरोजगारी सर्वेक्षण (ईयूएस), जो पूर्व में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा संचालित किए जाते थे, देश में वर्ष 2011-12 तक श्रम बाज़ार सांख्यिकी के मुख्य स्रोत थे। श्रम बाज़ार संकेतकों की अधिक आवृत्ति और समय पर बढ़ती आवश्यकता के मद्देनजर, और राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (एनएससी) की संस्तुतियों के आधार पर, एमओएसपीआई ने सर्वेक्षण पद्धति और सर्वेक्षण डिज़ाइन विकसित करने के लिए गठित विशेषज्ञ समितियों के साथ विचार-विमर्श के उपरांत 2017 में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) प्रारंभ किया।

पीएलएफएस ने पूर्व के ईयूएस की तुलना में पद्धतिगत सुधार प्रारंभ किए हैं, जिनमें शहरी क्षेत्रों के लिए रोटेशनल पैनल सैंपलिंग डिज़ाइन, अंतर्निहित सत्यापन जाँचों के साथ कंप्यूटर-सहायित व्यक्तिगत साक्षात्कार (सीएपीआई), कार्य किए गए घंटों पर सूचना का संग्रहण, और आवधिक श्रम बल आँकड़े तैयार

करने के लिए प्रतिदर्श डिज़ाइन और जांच के निर्धारित कार्यक्रम में परिवर्तन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, जनवरी 2025 से सर्वेक्षण डिज़ाइन को और सुदृढ़ किया गया है जिससे वार्षिक आँकड़ों के अतिरिक्त अखिल भारतीय स्तर पर मासिक अनुमान और ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए तिमाही अनुमान प्रदान किए जा सकें।

पीएलएफएस में रोजगार, बेरोजगारी और श्रमबल भागीदारी से संबंधित अवधारणाएँ एवं परिभाषाएँ, पूर्ववर्ती ईयूएस रोजगार और बेरोजगारी सर्वेक्षण में अपनाई गई अवधारणाओं और परिभाषाओं के अनुरूप हैं और बेरोजगारी अनुमान संबंधी विशेषज्ञ समिति (दांतवाला समिति) की संस्तुतियों के साथ-साथ और श्रम सांख्यिकीविद् का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएलएस) द्वारा अपनाए गए प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित हैं। तदनुसार, पीएलएफएस दीर्घकालिक श्रम बाजार रूझानों के विश्लेषण में निरंतर सहयोग देता है।

इसके अतिरिक्त, वार्षिक रिपोर्टें, तिमाही बुलेटिनों और मासिक बुलेटिनों के माध्यम से पीएलएफएस के परिणामों का प्रसार करते समय, एमओएसपीआई ने उपयोगकर्ताओं को पीएलएफएस और पूर्ववर्ती ईयूएस के अनुमानों के बीच प्रत्यक्ष तुलना करते समय उचित सावधानी बरतने की सलाह दी है, क्योंकि सर्वेक्षण डिज़ाइन और कार्यप्रणाली में विद्यमान भिन्नताएँ अनुमानों को प्रभावित कर सकती हैं।

एमओएसपीआई द्वारा अर्थशास्त्रियों, शोधकर्ताओं, विषय-वस्तु विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों के साथ निरंतर संवाद किया जाता है और उनसे प्राप्त सुझावों को सर्वेक्षण कार्यप्रणाली, प्रतिदर्श डिज़ाइन, प्रश्नावली डिज़ाइन, आंकड़ा संग्रहण और प्रसार संबंधी प्रथाओं में सुधार हेतु विचार किया जाता है, जिससे श्रम बाजार संबंधी सांख्यिकी की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और प्रासंगिकता में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।
